K–186

Total Page No. : 2] **[Roll No. .....**

BAKA-101

B.A. Ist Year Examination Dec., 2023

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त्त ज्ञान

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गायत्री जप के महत्व का वर्णन कीजिए।

2. अतिथि-यज्ञ का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

3. मावन जीवन पर कर्मकाण्ड के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

4. जात कर्म संस्कार की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

5. चारों वेदों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. देवताओं के साथ प्रतिपदा आदि तिथियों के नामों का उल्लेख कीजिए।

2. अग्निवास का परिचय एवं उनके फलों का उल्लेख कीजिए।

3. बारह राशियों का उनके स्वामियों के साथ उल्लेख कीजिए।

4. ब्रह्मयज्ञ के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए।

5. चूड़ाकरण से क्या तात्पर्य है ? लिखिए।

6. ग्रहों के शुभाऽशुभ फल से क्या तात्पर्य है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. पुराण के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

8. 'करण' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

****